SARVA SAMANVAY FOUNDATION

Putting Healthcare In Your Hands

ANNUAL PROJECT REPORT FY 2024-25

From the Director’s Desk

As we step into the fourth year of our journey, we reflect with deep gratitude on how far we’ve come—and with renewed resolve for the road ahead. What began as a vision for meaningful change has grown into a dynamic, community-centric organisation rooted in equity, empathy, and empowerment.

Over the past two years, our work has expanded in both scale and scope—shaped by field insights and strengthened through multi-sectoral partnerships. From preventive health interventions to capacity building and local engagement, we remain committed to advancing health, dignity, and opportunity for those often underserved.

This year, we launched **Project *Mission Drishti***, in collaboration with **iLasik House (iLH)** and **Chhatrapati Shahu Ji Maharaj University, Kanpur**. This end-to-end eye care initiative focuses on awareness generation, screening for cataracts and other visual impairments, and referral to iLH for advanced eye care under the ***Ayushman Bharat Yojana***. Central to this model are our trained **community volunteers**—***Drishti Mitras***— who lead local eye health awareness, facilitate early identification of cataracts and other refractive errors, and generate sustained demand for eye care services.

Our work on **non-communicable diseases (NCDs)** has also deepened, with expanded screening camps for diabetes, hypertension, and anemia. A significant milestone was the introduction of **point-of-care diagnostics** using **EzeCheck**, a non-invasive digital hemoglobinometer developed by **EzeRx**, to screen adolescent girls for anaemia—enhancing efficiency and field readiness.

This year, we reached over **11,000 individuals** through **70 mega health and eye screening camps** across **29 districts** of Uttar Pradesh, and **150 cataract surgeries** were performed for those identified with operable cataract. In parallel, we conducted **100+ health awareness sessions** in communities, schools, and colleges, and sensitized **17,000 adolescent girls** on menstrual hygiene.

On the academic front, SSF remains committed to nurturing future public health leaders. We conducted a foundational academic series on **epidemiology and disease dynamics** for students pursuing Masters in Public Health degree at Chhatrapati Shahuji Maharaj University, integrating theory with practice.

These milestones reflect the collective efforts of our team, partners, and the communities we serve. Thank you for your continued support, trust, and belief in our mission. As we move forward, our focus remains steadfast: to deepen our impact, foster inclusion, and build resilient systems that serve all.

With gratitude,

Dr. Richa Mishra

Director

PhD, MSc, PGDPHM (Public Health Management)

Impact and Reach

17,000+
Girls educated on menstrual hygiene

100+
Health awareness programs conducted in communities, schools, and colleges

11,000+
Individuals screened for health conditions

70
Mega health and eye camps organized

150
Cataract surgeries performed under the *Ayushman Bharat yojana*

SSF is operational in 29 out of 75 districts of Uttar Pradesh

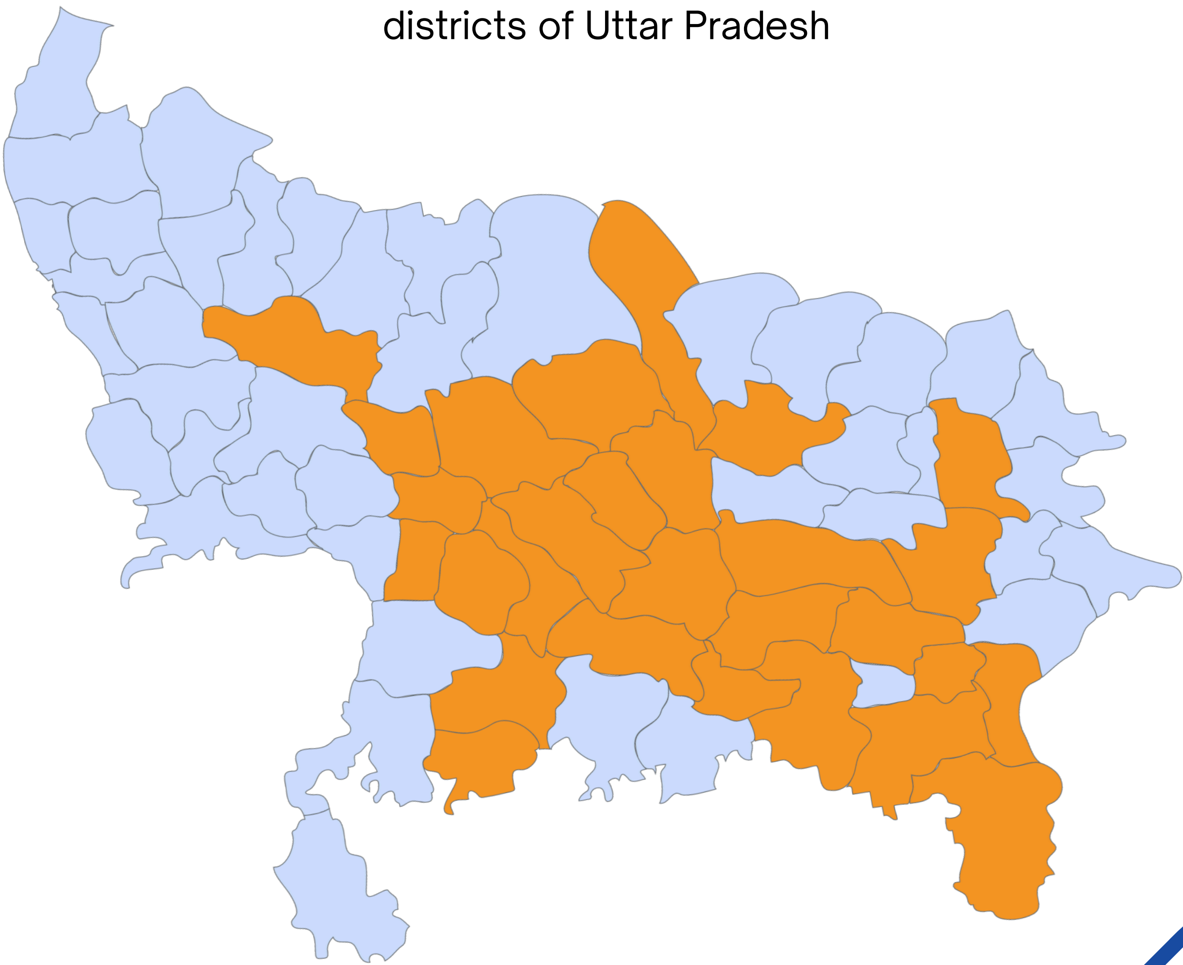

Mission *Drishti-Netrashala*

Kalyanpur, Kanpur Nagar

SN	Particular	#
1	**Villages covered**	23
2	**Eye awareness sessions organised**	42
3	**Participants made aware on eye health conditions**	684
4	***Drishti Mitra*** (community-based volunteers for eyecare) **identified**	14

Netrashala is a community-level awareness platform established under the Mission *Drishti* initiative.

Mission *Drishti-Netrashivir*

Kanpur Nagar

SN	Particular	#
1	Eyecare camps organised	29
2	Individuals screened for eye disorders	1485
3	Individuals identified with refractive error	318
4	Spectacles distributed	141
5	Individuals identified with cataract	309
6	Cataract surgeries performed	150

Netrashivir is a community-level screening camp organized to identify eye diseases, followed by referral and treatment at network hospitals.

Girls School Health Camp: GAIL Gas Ltd.

Sonbhadra, Mirzapur, and Chandauli

SN	Particular	#
1	Camps and menstrual hygiene awareness sessions conducted	30
2	Girls screened for general health	9158
3	Girls screened for anemia	3809
4	Girls identified with anemia	1604
5	Girls identified with refractive error	845
6	Girls that received sanitary pads	9158
7	Girls that received micronutrient supplements	7266

UDAAN: Stayfree

Varanasi, Prayagraj, Kaushambi, Jaunpur, Azamgarh, and Pratapgarh

SN	Particular	#
1	**Sessions conducted in schools and colleges**	**59**
2	**Girls educated on menstrual hygiene**	**8113**

UDAAN project was organized for school and college-going girls to increase awareness on menstrual hygiene, water, sanitation, and hygiene (WaSH), and general health.

Health Camp: Tata AIG Insurance

Prayagraj

SN	Particular	#
1	Camps organized	10
2	Individuals screened for diabetes, hypertension, and eye disorders	614
3	Individuals identified with diabetes	72
4	Individuals identified with hypertension	114
5	Individuals identified with refractive error	98
6	Individuals identified with cataract	26

Project aimed at screening major non-communicable diseases, like, diabetes and hypertension in urban areas.

Capacity building session Epidemiology

Chhatrapati Shahuji Maharaj University, Kanpur

- Series of academic sessions on ***Foundations of Epidemiology: Understanding Disease in Populations*** was delivered for aspiring public health professionals
- Sessions were organized by the Department of Life Long Learning & Extension, Chhatrapati Shahuji Maharaj University, Kanpur
- Sessions deployed a blend of classroom teaching and field immersion for understanding theory and practical application of epidemiology in real-world settings

Media Coverage

नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया

महेश प्रताप सिंह

कानपुर (अमर स्तम्भ) / सुपरहाउस ग्रुप एवं सर्व समन्वय फाउंडेशन के संयुक्त तत्वाधान में प्रात: 10:30 बजे से सायं 3:30 बजे तक रामलीला पार्क, संजय गाँधी नगर, योगेन्द्र विहार, मनकामनेश्वर मंदिर के पास नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विशेषज्ञों द्वारा लगभग 250 मरीजों की बीपी, सुगर, आँख, नाक, कान, गला, दाँत, हड्डी सम्बंधित रोग एवं सामान्य स्वास्थ्य की नि:शुल्क जाँच की गयी तथा लगभग 100 मरीजों को नजदीक के चश्मों को नि:शुल्क वितरण भी किया गया। सुपरहाउस ग्रुप के प्रतिनिधि संजय कपूर द्वारा बताया गया कि इस तरह के स्वास्थ्य शिविर का आयोजन सुपरहाउस ग्रुप द्वारा शहर के आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग तक बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं पहुँचाने के लिए उठाया गया एक कदम है। कानपुर की जनसँख्या और उसमें फैलते रोगों जैसे डायबिटीज, हाइपरटेंशन, और हृदय सम्बन्धी रोगों के कारण नौजवानों और आने वाली पीढ़ी में, इनके स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव पड़ सकता है। देश और प्रदेश के स्वास्थ्य, सामुदायिक, और आर्थिक प्रगति में ये एक बड़ी बाधा ला सकता है, यह बहुत आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश राज्य की आर्थिक प्रगति के 1 ट्रिलियन डॉलर इकॉनमी के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए हम सभी और विशेष कर नौजवान पीढ़ी स्वस्थ रहे और अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहे। सुपरहाउस ग्रुप अपनी सामाजिक जिम्मेदारियों को समझता है और हमारा प्रयास रहेगा कि हम अपने क्षेत्र में लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करें और स्वास्थ्य सम्बन्धी सेवा पहुँचाने के लिए प्रयत्न करते रहें। सर्व समन्वय फाउंडेशन के एडवाइजर डॉ आशुतोष मिश्रा द्वारा बताया गया कि आजकल कि भागदौड़ भरी जिंदगी में लोग निरंतर अपने स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही कर रहें है, अत: इन शिविरों के माध्यम से नॉन कम्युनिकेबल डिजीज के प्रति लोगों में जागरूकता लाना है। कार्यक्रम में डॉ एस जी मिश्रा, डॉ अंशु मिश्रा, डॉ उमा अग्रवाल, डॉ रामजी खन्ना, डॉ के एन प्रसाद, डॉ मोहम्मद बिलाल, सुपरहाउस ग्रुप के अर्चित मिश्रा एवं ग्रुप के अन्य प्रतिनिधि उपस्थित रहे। इस अवसर पर स्थानीय पार्षद योगेंद्र शर्मा और सम्मानित नागरिकगण सौरभ मिश्रा, लाल जी तिवारी, आशीष गोस्वामी मौजूद रहे संस्था के इस कार्य की सराहना की। सर्व समन्वय फाउंडेशन के एडवाइजर डॉ आशुतोष मिश्रा, डायरेक्टर समरेश राय और डॉ ऋचा मिश्रा, फाउंडेशन की टीम और कानपुर विश्वविद्यालय के समाजकार्य विभाग के वालंटियर्स उपस्थित रहे।

आयुष्मान भारत योजना से करेंगे आंखों का नि:शुल्क इलाज

कानपुर,(पंजाब केसरी): यहां आंख की विविध जटिलताओ के आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को स्वास्थ्य बीमा के द्वारा नि:शुल्क इलाज उपलब्ध कराने के लिए प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के अंतर्गत आयुष्मान भारत योजना चला रही है। इसी योजना को और आर्थिक रूप से पिछड़े मरीजों को ध्यान में रखते हुए आई लेसिक हाउस,अशोक नगर ने आयुष्मान भारत योजना का संचालन शुरू किया है, जिसके तहत अब आयुष्मान कार्ड धारको का आँखों से संबंधित रोगों का नि:शुल्क ईलाज किया जायेगा। डॉ. उमा अग्रवाल ने यह भी बताया कि आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए फोल्डेबल लेंस की गुणवत्ता भी अन्य की अपेक्षा बहुत अच्छी रखी गयी है। आई लेसिक हाउस अस्पताल लेज़र से चश्मे हटवाने जैसे एडवांस और कठिन सर्जरी के लिए और बेहद ही उच्च गुणवत्ता वाली मोतियाबिंद और अन्य नेत्र रोगों के इलाज के लिए जाना जाता है।

250 लोगों का हुआ स्वास्थ्य परीक्षण

कानपुर। सुपर हाउस ग्रुप और सर्व समन्वय फाउंडेशन के संयुक्त सहयोग में रामलीला पार्क, मनकामेश्वर मंदिर के पास निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इसमें 250 मरीजों की बीपी, सुगर, आंख, नाक, कान, गला, दांत, हड्डी रोग की जांच की गई। 100 मरीजों को चश्मों को वितरण किया गया। सुपर हाउस ग्रुप के प्रतिनिधि संजय कपूर, फाउंडेशन के एडवाइजर डॉ. आशुतोष मिश्रा, डॉ. एसजी मिश्रा, डॉ. अंशु मिश्रा, केएन प्रसाद, मोहम्मद बिलाल, समरेश राय, ऋचा मिश्रा, अर्चित मिश्रा, पार्षद योगेंद्र शर्मा, अनिमेष राय, सौरभ मिश्रा मौजूद रहे। (ब्यूरो)

सर्व समन्वय फाउंडेशन के द्वारा विश्व दृष्टि दिवस पर प्रतियोगिता कर पुरस्कृत किया

(संवाददाता दीक्षालय प्रवाह)

कानपुर। विश्व दृष्टि दिवस पर सर्व समन्वय फाउंडेशन के कार्यक्रम मिशन दृष्टि के तहत कंपोजिट विद्यालय, पारा प्रतापपुर, कानपुर में बच्चो को आंखो पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमे बच्चो की आंखों की जांच, स्लोगन प्रतियोगिता और अनियमित स्क्रीन टाइम और फूड हैबिट्स पर जागरूक किया गया साथ ही प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर सर्व समन्वय फाउंडेशन के प्रबंधक दीपक कुमार यादव ने बताया कि आज के दौर में इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद हमारे जीवन का अहम हिस्सा बन गए हैं। मोबाइल फोन, कंप्यूटर व टीवी आदि के बिना काम नहीं चलता, यानी ये हमारी लाइफ को सुविधाजनक बना रहे हैं। लेकिन दूसरी ओर इनके कारण नेत्र रोग या आंखों की समस्या से पीड़ित लोगों की संख्या बहुत तेजी से बढ़ रही है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के आंकड़ों के मुताबिक, विश्व भर में कम से कम 1 अरब लोग निकट या दूर दृष्टि दोष के शिकार हैं। बच्चों की आंखें संवेदनशील होती हैं। बच्चों में दृष्टिदोष के कारण उनका महत्वपूर्ण जीवनकाल प्रभावित होता है। इसके साथ ही बच्चों के आंखों में दर्द, लालिमा या भेंगापन होना जैसी समस्या भी होती है। ऐसी किसी समस्या को नजरअंदाज करना सही नहीं है। साथ ही उन्होंने बताया कि कक्षा में बोर्ड पर लिखवायी जाने वाले अक्षरों की पहचान बच्चे नहीं कर पाते और अक्सर ये अपने कॉपी पर कुछ भी नहीं लिख पाते हैं। किताबों को बहुत अधिक करीब से देखना, बच्चों के आंखों की काली पुतली में सफेद रंग दिखना, किसी वस्तु को देखते समय अपना सिर या चेहरा मोड़ना, आंखें मलना या पलक बहुत अधिक झपकाना, आंखों में खुजली होना आदि होने पर चिकित्सक से जरूर परामर्श लें। खाने में शामिल करें हरी पत्तेदार सब्जियां व फल विद्यालय की प्रधानाचार्या बीना शुक्ला ने बताया के आंखों के लिए विटामिन ए बेहद जरूरी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक विटामिन ए बच्चों के आंखों की रोशनी तथा उनके शारीरिक विकास के लिए महत्वपूर्ण है। विटामिन ए की खुराक बच्चों के रोग प्रतिरोधक क्षमता को भी मजबूत बनाता है। बच्चों के खाने में हरी पत्तेदार सब्जियां, मौसमी एवं ताजी सब्जियां और पीली एवं नारंगी रंग के फल आदि शामिल करें। पालक और गाजर में विटामिन ए काफी मात्रा में पाया जाता है। इस अवसर पर संस्था के प्रबन्धक दीपक यादव, विद्यालय की प्रधानाचार्या बीना शुक्ला, संकुल प्रभारी प्रेम शंकर, अध्यापक शुभांगी यादव, अरुण कुमार, निधि पांडे, सुनील बाजपाई, अजीत द्विवेदी, प्रगति, आराध्या और धनंजय आदि सभी लोग मौजूद रहे।

सर्व समन्वय फाउंडेशन के द्वारा विश्व दृष्टि दिवस पर मिशन दृष्टि कार्यक्रम हुआ

शहर दायरा न्यूज

कानपुर। विश्व दृष्टि दिवस पर सर्व समन्वय फाउंडेशन के कार्यक्रम मिशन दृष्टि के तहत कंपोजिट विद्यालय, पारा प्रतापपुर,कानपुर में बच्चो को आंखो पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमे बच्चो की आंखों की जांच, स्लोगन प्रतियोगिता और अनियमित स्क्रीन टाइम और फूड हैबिट्स पर जागरूक किया गया साथ ही प्रतिभागियों को पुरस्कृत भी किया गया।

इस अवसर पर सर्व समन्वय फाउंडेशन के प्रबंधक दीपक कुमार यादव ने बताया कि आज के दौर में इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद हमारे जीवन का अहम हिस्सा बन गए हैं। मोबाइल फोन, कंप्यूटर व टीवी आदि के बिना काम नहीं चलता, यानी ये हमारी लाइफ को सुविधाजनक बना रहे हैं। लेकिन दूसरी ओर इनके कारण नेत्र रोग या आंखों की समस्या से पीड़ित लोगों की संख्या बहुत तेजी से बढ़ रही है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के आंकड़ों के मुताबिक, विश्व भर में कम से कम 1 अरब लोग निकट या दूर दृष्टि दोष के शिकार हैं। बच्चों की आंखें संवेदनशील होती हैं। बच्चों में दृष्टिदोष के कारण उनका महत्वपूर्ण जीवनकाल प्रभावित होता है। इसके साथ ही बच्चों के आंखों में दर्द, लालिमा या भेंगापन होना जैसी समस्या भी होती है। ऐसी किसी समस्या को नजरअंदाज करना सही नहीं है। साथ ही उन्होंने बताया कि कक्षा में बोर्ड पर लिखवायी जाने वाले अक्षरों की पहचान बच्चे नहीं कर पाते और अक्सर ये अपने कॉपी पर कुछ भी नहीं लिख पाते हैं। किताबों को बहुत अधिक करीब से देखना, बच्चों के आंखों की काली पुतली में सफेद रंग दिखना, किसी वस्तु को देखते समय अपना सिर या चेहरा मोड़ना, आंखें मलना या पलक बहुत अधिक झपकाना, आंखों में खुजली होना आदि होने पर चिकित्सक से जरूर परामर्श लें। खाने में शामिल करें हरी पत्तेदार सब्जियां व फल विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमति बीना शुक्ला जी ने बताया के आंखों के लिए विटामिन ए बेहद जरूरी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक विटामिन ए बच्चों के आंखों की रोशनी तथा उनके शारीरिक विकास के लिए महत्वपूर्ण है। विटामिन ए की खुराक बच्चों के रोग प्रतिरोधक क्षमता को भी मजबूत बनाता है। बच्चों के खाने में हरी पत्तेदार सब्जियां, मौसमी एवं ताजी सब्जियां और पीली एवं नारंगी रंग के फल आदि शामिल करें। पालक और गाजर में विटामिन ए काफी मात्रा में पाया जाता है इस अवसर पर संस्था के प्रबन्धक दीपक यादव, विद्यालय की प्रधानाचार्या बीना शुक्ला, संकुल प्रभारी प्रेम शंकर, अध्यापक शुभांगी यादव, अरुण कुमार, निधि पांडे, सुनील बाजपाई, अजीत द्विवेदी, प्रगति, आराध्या और धनंजय आदि मौजूद रहे।

ह्यूमेनिटीज एण्ड सोशल साइंसेस, आई. क्यू.ए.सी. एवं ए.आई. यू.सी. एस. जे. एम.यू.ए.ए. डी.सी., के संयुक्त तत्वावधान में पांच दिवसीय कार्यशाला के दूसरे दिन बुधवार को पहले सत्र का प्रारम्भ डॉ. अनिमेष राय ने किया। उन्होंने पब्लिक हेल्थ सिस्टम को बताते हुए हेल्थ सिस्टम फ्रेमवर्क को विस्तार से समझाया।

पांच दिवसीय कार्यशाला के दूसरे दिन डॉ. अनिमेष राय ने दी कई महत्वपूर्ण जानकारियां

उन्होंने ग्राम स्वास्थ्य स्वछता एवं पोषण दिवस के अंतर्गत आशा, आंगनबाड़ी का पब्लिक हेल्थ के क्षेत्र में महत्व को समझाया। कार्यशालां को आगे बढ़ाते हुए डॉ. अनिमेष ने बताया की प्रजनन, मातृ, नवजात, बाल एवं किशोर स्वास्थ्य प्लस पोषण के अंतर्गत माताओं एवं बच्चों दोनों के स्वास्थ्य की स्थिति मे सुधार लाने की दिशा में सरकार ने काफी ठोस कदम उठाये गये है। सत्र के दौरान डॉ. फाउंडेशन की डायरेक्टर डॉ. रिचा मिश्रा, ने किया। उन्होंने स्वास्थ्य के निर्धारकों के विषय में बताया जिसमें उन्होंने संक्रामक रोगों के अंतर्गत नीति निर्माण और स्वास्थ्य सेवायें, सामाजिक निर्धारक, जीवनशैली और साथ ही साथ बायोलॉजी और जेनेटिक रोगों का उदहारण देते हुए बताया कि अगर किसी अभिभावक के व्यवहार में नशा करने की आदत जैसे- अल्कोहल, सिगरेट है तो इस आदत के कुछ लक्षण उनकी संतान में भी दिखाई दे सकते है।

दूसरे सत्र की शुरुआत करते हुए प्रतीक तिवारी, मैनेजर, नेशनल यूथ फाउंडेशन ने पब्लिक हेल्थ से समाज कार्य का सम्बन्ध और उसके महत्व को विस्तार सहित बताया। जिसमे उन्होंने समाज कार्य एवं समाज सेवा में अंतर, समुदाय और पब्लिक हेल्थ एवं

Partners

iLASIK HOUSE

राष्ट्रीय युवा संस्थापन
NATIONAL YOUTH FOUNDATION

DEEPASHRI
enterprises

Child Survival India
Helping People Help Themselves

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर
आरोह तमसो ज्योतिः
CHHATRAPATI SHAHU JI MAHARAJ UNIVERSITY KANPUR

SUPERHOUSE GROUP

Jai Ho Institute
By Mayank Sir

it is HE who cures

SARVA SAMANVAY FOUNDATION

Putting Healthcare In Your Hands

Thank You

CONTACT INFORMATION

Telephone

+91 7905778441

Website

www.sarvasamanvay.org

Address

Ground Floor, Ureha Dham Apartment, 280
Lakhanpur, Vikasnagar, Kanpur-208024